Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________
2. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________

Answer Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________
(In words)

Test Booklet No.

J—9106

PAPER—II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT
प्राकृत
PAPER – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. The earlier form of the Prakrit word "Devehi' is found in Vedic literature as:-
प्राकृत शब्द 'देवेहि' का प्राचीन रूप वैदिक साहित्य के इस शब्द में उपलब्ध है-
(A) देवेभिः (B) देवैः (C) देवानं (D) देवस्स

2. "प्रकृतिः संस्कृतम् तत्र भवं प्राकृतमुच्यते" is said by
यह उक्त कथन इस आचार्य द्वारा कथित है-
(A) लक्ष्मीधर (B) मार्कण्डेय (C) वासुदेव (D) सिंहदेवगणिन्

3. The following statement is made by -
प्राकृतेती सकलजगज्जन्तूनां व्याकरणादिरनाहतसंस्कारः सहजो वचनव्यापारः प्रकृतिः।
तत्र भवं सैव वा प्राकृतम्।
यह उक्त कथन इस आचार्य द्वारा कथित है -
(A) हेमचन्द्र (B) वाक्पतिराज (C) राजशेखर (D) नमिसाधु

4. शौरसेन्या अदूरत्वादियमेवार्धमागधी is the opinion of
यह उक्त विचार इस आचार्य का है -
(A) मार्कण्डेय (B) हेमचंद्र (C) क्रमदीश्वर (D) अभयदेव

5. The main characteristic of Shaurasenī is -
शौरसेनी की मूलभूत विशेषता है -
(A) त का द में परिवर्तन (B) द का त में परिवर्तन
(C) त का अ में परिवर्तन (D) त का ज में परिवर्तन

6. The form 'कधेदि' belongs to this Prakrit - 'कधेदि' शब्द इस प्राकृत का है-
(A) माहाराष्ट्री (B) अर्धमागधी (C) अपभ्रंश (D) शौरसेनी

7. The Ardhamāgadhī Āgama is compiled in written form for the first time in Balabhī by -
अर्धमागधी आगम सर्वप्रथम बलभी में लिखित रूप में इन आचार्य के द्वारा संकलित किये गये -
(A) देवर्धिगणि क्षमाश्रमण (B) स्थूलभद्र
(C) स्कन्दिल (D) भद्रबाहु

8. Upadhāna Addhyayana is found in this text
उपधान अध्ययन इस ग्रन्थ में पाया जाता है -
(A) सूत्रकृतांग (B) स्थानांग (C) आचारांग (D) उत्तराध्ययन

9. Śauraseni Āgama is based on this early text -
शौरसेनी आगम इस प्राचीन ग्रन्थ पर आधारित है -
(A) दृष्टिवाद (B) आचारांग (C) षड्खण्डागम (D) कसायपाहुड

10. Mahābandha is composed by -
महाबन्ध के रचयिता का नाम है-
(A) भूतबलि (B) शय्यंभव (C) पुष्पदन्त (D) गुणधर

11. Piṇḍaṇijjutti is included into this following group -
पिंडणिज्जुत्ति निम्न विभाग में अन्तर्भूत है -
(A) प्रकीर्णक (B) मूलसूत्र (C) छेदसूत्र (D) उपांग

12. Pravarasena, the author of Setubandha is related to -
सेतुबन्ध के रचयिता प्रवरसेन इस से सम्बद्ध हैं -
(A) कश्मीर (B) वाकाटक (C) मगध (D) सिन्धुप्रदेश

13. The author of Uṣāniruddha is -
उसाणिरुद्ध के लेखक हैं -
(A) रामपाणिवाद (B) वररुचि (C) हाल (D) कोऊहल

14. Read the units I or II for correct match -
प्रथम और द्वितीय इकाइयों को सही मिलान के लिए पढिये -

I		II	
(i)	कंसवहो	(a)	गुणचन्द्रमणि
(ii)	सिरिपासनाहचरियं	(b)	रामपाणिवाद
(iii)	कुवलयमाला	(c)	हाल
(iv)	गाहासत्तसई	(d)	उद्योतनसूरि

Identity the correct match -
सही मिलान की पहचान कीजिए-
(A) i + (b) (B) ii + (c)
(C) iii + (a) (D) iv + (d)

15. The Kuvalayamata was composed by Uddyotanasūri in the city -
उद्योतन सूरि ने कुवलयमाला की रचना इस नगर में की थी-
(A) जाबालिपुर (B) जयपुर (C) जोधपुर (D) उदयपुर

16. The Samarāicchakahā of Acārya Haribhadra is mainly related to the principle of Jainism.
आचार्य हरिभद्र की समराइच्चकहा मुख्य रूप से जैनधर्म के इस सिद्धान्त पर आधारित है -
(A) कर्मसिद्धान्त (B) अनेकान्तवाद (C) प्रमाण-नय (D) अपरिग्रह

17. नाणपंचमीकहा is the story of - नाणपंचमीकहा में इसका कथानक है -
(A) दुर्लभराज (B) भविष्यदत्त (C) अग्निशर्मा (D) शीलवती

18. Gahāsattasai is -
गाहासत्तसई है -
(A) महाकाव्य (B) मुक्तक काव्य (C) नाटक (D) शास्त्रीय ग्रन्थ

19. Karpūramañjarī is a text of this kind -
कर्पूरमञ्जरी इस विधा का ग्रंथ है -
(A) प्रहसन (B) नाटक (C) सट्टक (D) रूपक

20. The author of Sāriputtapakaraṇa is -
सारिपुत्तपकरण के कर्ता है -
(A) अश्वघोष (B) कालिदास (C) भास (D) भारवि

21. The language prescribed for female characters in Sanskrit drama is -
संस्कृत नाटकों में महिला पात्रों की निर्धारित भाषा है -
(A) मागधी (B) शौरसेनी (C) अर्धमागधी (D) पैशाची

22. The script of Girnar Inscription is -
गिरनार अभिलेख की लिपि है -
(A) शारदा (B) खरोष्ठी (C) गुजराती (D) ब्राह्मी

23. Hāthīgumpha inscription is related to -
हाथीगुंफा अभिलेख इनसे सम्बन्धित है -
(A) सम्राट अशोक (B) चाणक्य (C) सम्राट खारवेल (D) धर्ममहामात्र

24. The language of Hathigumpha inscription is -
हाथीगुंफा अभिलेख की भाषा है -
(A) संस्कृत (B) ओरिया (C) प्राकृत (D) प्राचीन तेलुगु

25. This statement is true -
यह कथन सत्य है -
(A) प्राकृत छन्दशास्त्र का प्रमुख ग्रंथ है - प्राकृत पैंगलम ।
(B) प्राकृत में गाहा छन्द नही होता।
(C) काव्यानुशासन के रचयिता का नाम मम्मट है।
(D) कंसवहो एक सट्टक है।

26. The other name of Deśīnāmamālā is
देशीनाममाला का अन्य नाम है -
(A) किरणावली (B) रयणावली (C) मुक्कावली (D) चन्द्रावली

27. Pāialacchināmamālā is a text of this kind -
पाइअलच्छीनाममाला इस प्रकार का ग्रंथ है -
(A) कोश ग्रंथ (B) तंत्र ग्रंथ (C) छन्द शास्त्र (D) व्याकरण ग्रंथ

28. The following word does not represent the Māhārāṣṭrī Prakrit -
निम्नलिखित शब्द माहाराष्ट्री से सम्बन्धित नहीं है -
(A) रट्ठवई (B) काऊण (C) उऊ (D) पुलिशे

29. This is the example of metathesis -
यह व्यत्यय का उदाहरण है -
(A) सोच्चा (B) इहं (C) वाणारसी (D) रहुवई

30. Śākārī is a Sub-dialect of -
शाकारी इसकी उपबोली है -
(A) शौरसेनी (B) मागधी (C) माहाराष्ट्री (D) पैशाची

31. In Māgadhī nominative singular of 'a' base becomes -
मागधी में अकारान्त शब्द का प्रथमा एकवचन में होता है -
(A) उकारान्त (B) आकारान्त (C) एकारान्त (D) ईकारान्त

32. Example of elision of vowel with consonant is -
सस्वर व्यञ्जन लोप का उदाहरण यह है -
(A) रययं (B) पावं (C) दुग्गावी (D) नयणं

33. The form 'Rāmesunto' of the word Rāma is the example of -
राम शब्द का रामेसुन्तो रूप इसका उदाहरण है -
(A) तृतीया एकवचन (B) सप्तमी बहुवचन (C) षष्ठी एकवचन (D) पंचमी बहुवचन

34. Sandhi is prescribed in the following -
निम्नलिखित में सन्धि विहित है -
(A) उ + अ (B) अ + उ (C) इ + ए (D) ऐ + आ

35. This is the author of the Mṛcchakaṭikam?
मृच्छकटिक का कर्ता यह है -
(A) शूद्रक (B) राजशेखर (C) भास (D) कालिदास

36. The Namipavijja is a chapter of this Āgama text -
नमिपविज्जा इस आगम ग्रन्थ का एक अध्ययन है -
(A) सूत्रकृतांग (B) उत्तराध्ययनसूत्र (C) विपाकसूत्र (D) आचारांगसूत्र

37. The main subject matter of the sanmatitarka-Prakaraṇa is -
सन्मतितर्कप्रकरण ग्रन्थ का प्रमुख विषय है -
(A) अहिंसा - विवेचन (B) लोक-स्वरूप (C) द्रव्य-विवेचन (D) अनेकान्तवाद

38. Pushpatanta was great poet of this language -
पुष्पदन्त इस भाषा के महाकवि थे -
(A) प्राकृत (B) संस्कृत (C) अपभ्रंश (D) पालि

39. 'सुहं वसामो जीवामो जेसिं मो नत्थि किंचण'
this statement occurs in this chapter -
'सुहं वसामो जीवामो जेसिं मो नत्थि किंचण' यह कथन इस अध्ययन में है -
(A) केसीगौतम (B) नमिपविज्जा (C) लोगविनय (D) विनय

40. The Karpūraṁañajari is representative work of this type-
कर्पूरमंजरी इस विधा का प्रतिनिधि ग्रन्थ है -
(A) महाकाव्य (B) कथा (C) चरित (D) सट्टक

41. सद्दो बंधो सुहुमो थूलो संठाणमेदतमच्छाया। उज्जोदादवसहिया पुग्गलदव्वस्स पज्जाया।।
This verse occurs in this text -
उक्त प्राकृत गाथा इस ग्रन्थ का उदाहरण है -
(A) समयसारो (B) दव्वसंगहो (C) पवयणसारो (D) बारसाणुवेक्खा

42. Heroine of the Mricchakaṭaka Drama is -
मृच्छकटिकम् नाटक की नायिका है -
(A) वसन्तसेना (B) मालविका (C) शकुन्तला (D) रत्नावली

43. The Prakrit language of the Uttarajjhayayaṇasutta is -
उत्तराध्ययनसूत्र की प्राकृत भाषा का नाम है -
(A) पैशाची (B) शौरसेनी (C) माहाराष्ट्री (D) अर्धमागधी

44. The author of Dravasangraha is
द्रव्यसंग्रह के लेखक है -
(A) नेमिचन्द्र (B) कुन्दकुन्द (C) कार्तिकेय (D) शिवार्य

45. The Setubandha belongs to this type of Kāvya -
सेतुबन्ध ग्रन्थ इस कोटि का काव्य है -
(A) गीतिकाव्य (B) महाकाव्य (C) खण्डकाव्य (D) मुक्तक काव्य

46. The Language of Ṇayakumāracariu is -
णायकुमारचरिऊ काव्यग्रन्थ भी भाषा है -
(A) पालि (B) प्राकृत (C) शौरसेनी (D) अपभ्रंश

47. The meaning of Satthapariṇṇā is
सत्यपरिण्णा का अर्थ है -
(A) शस्त्र का ज्ञान (B) हिंसा का निषेध
(C) शास्त्र का पठन (D) समता की स्वीकृति

48. The main subject matter of 23rd chapter of the Uttarādhyayanasutra is related to -
उत्तराध्ययनसूत्र के 23वें अध्ययन का प्रमुख विषय इससे सम्बन्धित है -
(A) चातुर्यमि - पाँच महाव्रत (B) स्थविरकल्प - जिनकल्प
(C) श्रावक-मुनि (D) क्रियाकाण्ड - अध्यात्म

49. The Pravacanasāra has been composed by -
'प्रवचनसार' की रचना इनके द्वारा हुई है -
(A) यतिवृषभ (B) कुन्दकुन्द
(C) कार्तिकेय (D) गुणभद्र

50. According to 'Dravyasangrah' the size of the soul is -
'द्रव्यसंग्रह' के अनुसार आत्मा का आकार है -
(A) अंगुष्ठ (B) महत्-परिमाण
(C) जगत्-परिमाण (D) स्वदेह-परिमाण

- o 0 o -

Space For Rough Work